NDTV CORONAVIRUS

4 July, 2020

6 साल के बच्चे ने अपनी पेंटिंग बेचकर जुटाए 54 हजार रुपए, कोरोना महामारी में मदद के लिए किए दान

इसके साथ ही 14 साल की अलिका फ़ारुक़ी, 19 साल के शर्जिल फ़ारुक़ी और 15 साल के जीशान खान जैसे कई युवा योद्धाओं ने पैसे इकट्ठा कर कठिन वक्त में फंसे मुंबईवासियों की मदद की और अब भी कर रहे हैं.

Reported by पूजा भारद्वाज, Edited by नवीन कुमार Updated: 4 जुलाई, 2020 1:28 AM

मुंबई: देश में सबसे ज्यादा कोरोना के मामलों वाले राज्य महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में लोगों की मदद के लिए अलग-अलग तरह से लोग आगे आ रहे हैं. यहां किसी ना किसी तरह से लोग कोरोना अस्पतालों या गरीब मजदूरों की मदद करने में जुटे हैं. इसी बीच एक 6 साल का बच्चे अपने पेंटिंग के जरिए जुटाए गए पैसों को दान में देने की कहानी भी सामने आई है. 6 साल के कबीर मोदी ने अपनी 24 पेंटिंग बेचकर 54 हजार रु. जुटाए और उन्हें कोरोना अस्पतालों और मजदूरों की मदद के लिए दान में दे दिया. बच्चे ने

बताया, 'मेरा नाम कवीर मोदी है, मेरी उम्र 6 साल है. मेरी पेंटिंग से जो पैसे मुझे मिले वो मैंने श्रीमद राजचंद्र लव एंड केयर को डोनेट किया.' पहली क्लास में पढ़ने वाले नन्हें कबीर मोदी कोरोना वॉरियर्स की लिस्ट में शायद सबसे अनोखे लोगों में शामिल हैं. कबीर के हाथों में जादू है, अपनी 24 पेंटिंग को बेचकर उन्होंने 54 हज़ार इकट्ठा कर श्रीमद राजचंद्र लव एंड केयर नाम की सामाजिक संस्था को दिए जो कोविड अस्पतालों में ज़रूरी सामान मुहैया कराने से लेकर, ज़रूरतमंदों का पेट भर रहे हैं.

वहीं 21 साल की एमबीबीएस छात्रा मीरा मेहता ने1.5 करोड़ से अधिक की दान राशि जुटाई है, कोरोना लॉकडाउन की शुरुआत से लेकर आज तक मीरा ने जरूरतमंदों के लिए 33 लाख से अधिक इकट्ठा किए. इन्हें इस सेवा के लिए 'द डायना अवार्ड' से सम्मानित किया गया है.

इसके साथ ही 14 साल की अलिका फ़ारुक़ी, 19 साल के शर्जिल फ़ारुक़ी और 15 साल के जीशान खान जैसे कई युवा योद्धाओं ने पैसे इकट्ठा कर कठिन वक्त में फंसे मुंबईवासियों की मदद की और अब भी कर रहे हैं. खाना-पानी बांटने से लेकर, यूं साथियों के साथ मज़दूरों का फ़ॉर्म भरना, उनके टिकट के इंतजाम से लेकर बस में बैठाने जैसी कई ज़रूरी सहायता की.